दैनिक क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 02 अंक: 113, शनिवार, 18 मई, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्रांति समय

हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रेस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-

बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210

मो. 9879141480

क्रांति समय

हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-

बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210

मो. 8980974047

पहला कॉलम

राहुल गांधी की प्रेस कांफ्रेंस, बोले राफेल पर डिबेट से क्यों भागे मोदी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने कांग्रेस मुख्यालय से आज कांफ्रेंस की। इस दौरान राहुल ने एक बार फिर राफेल का जिक्र किया, उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी उनसे राफेल पर डिबेट से क्यों भाग रहे हैं। सरकार गठन के सवाल पर राहुल ने कहा इसका फैसला 23 मई के बाद लिया जाएगा। चुनाव आयोग पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि आयोग पूर्ण रूप से पक्षपात कर रहा है ऐसा इतिहास में कभी नहीं हुआ। मीडिया से राहुल गांधी ने कहा कि सवाल पूछने में निष्पक्ष रहे। उन्होंने कहा कि मुझसे न्याय योजना के लिए पैसा कहां से आएगा, ये सब सवाल पूछते रहे और पीएम से आम खाने के तरीके और कपड़ों पर सवाल से आगे बढ़ मुद्दों पर सवाल नही पूछे। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा, सोनिया गांधी जी और मनमोहन सिंह का बहुत अनुभव है। मैं नरेंद्र मोदी नहीं हूं कि अनुभवी लोगों दरकिनार कर दूं। हम सोनिया जी के अनुभव का फायदा उठाएंगे। प्रधानमंत्री पद के सवाल पर गांधी ने कहा, 'मैंने बहुत स्पष्ट किया है। 23 मई को जनता जो भी फैसला करेगी हम मानेंगे। उससे पहले कुछ नहीं कहेंगे।

केन्द्र सरकार को लाभ पहुंचाने के लिए काम कर रहा है निर्वाचन आयोगः आप

नई दिल्ली। आप ने निर्वाचन आयोग पर लोकसभा चुनाव में भाजपा के इशारे पर केन्द्र सरकार को लाभ पहुंचाने के लिए काम करने का आरोप लगाया है। आप के प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज ने शुक्रवार को कहा कि इस चुनाव में आयोग की कार्यशैली को देखते हुए चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने कहा, 'आरोप लग रहे हैं कि चुनाव आयोग भाजपा के इशारे पर केन्द्र सरकार को लाभ पहुंचाने के लिए काम कर रहा है। उन्होंने मतदान केन्द्रों के पीठासीन अधिकारियों की पोलिंग डायरियों में भी गड़बड़ी करने का आरोप लगाया। भारद्वाज ने कहा कि प्रत्येक मतदान केन्द्र के पीठासीन अधिकारी पोलिंग डायरी में मतदान संबंधी जरूरी जानकारी आयोग को सौंपते हैं। भारद्वाज ने दिल्ली में 12 मई को हुए मतदान का हवाला देते हुए कहा,'हमारे पास विश्वस्त सूचना है कि चुनाव के तीन दिन बाद 16 मई को लगभग 200 से 250 पीठासीन अधिकारियों को चुनाव आयोग ने बुलाकर उन सभी अधिकारियों से नए सिरे से एक पोलिंग डायरी भरवा कर उनसे हस्ताक्षर करवाए। उन्होंने आयोग द्वारा तलब किए गए पीठासीन अधिकारियों का विस्तृत ब्योरा देते हुए कहा,'गैर कानूनी तरीके से इन अधिकारियों को बुलाकर दोबारा पोलिंग डायरियों में गड़बड़ी करके नई डायरियां तैयार करवाई जा रही हैं। आप प्रवक्ता ने कहा कि इस संबंध में साकेत के पीठासीन अधिकारी को पत्र लिखकर सूचित करा दिया है। आप नेता शनिवार को यह मामला चुनाव आयोग के समक्ष उठाएंगे।

चुनावी अंतिम चरण

अंतिम चरण का चुनावी शोर थमा, 59 सीटों पर कई दिग्गजों की प्रतिष्ठा दांव पर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

सत्रहवीं लोकसभा के चुनाव के अंतिम चरण में 59 सीटों पर मतदान के लिए चुनाव प्रचार शुक्रवार शाम पांच बजे थम गया लेकिन चुनाव आयोग द्वारा पश्चिम बंगाल की नौ सीटों के लिए चुनाव प्रचार पर रोक लगाए जाने के कारण कल ही प्रचार समाप्त हो गया था। रविवार को होने वाले मतदान के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं। अंतिम चरण में सात राज्यों बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश तथा केन्द्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में मतदान होना है। इस चरण में उत्तर प्रदेश और पंजाब की 13-13 सीटों, पश्चिम बंगाल की नौ सीटों, बिहार और मध्य प्रदेश की आठ-आठ सीटों, हिमाचल प्रदेश की चार सीटों, झारखंड की तीन सीटों और चंढीगढ़ की एक सीट पर मतदान होगा। इसमें 10 करोड़ एक लाख 75 हजार मतदाता 918 उम्मीदवारों के चुनावी किस्मत का फैसला करेंगे। इसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद, हरसिमत कौर बादल, हरदीप पुरी और शत्रुघ्न सिन्हा, अनुराग ठाकुर, बीबी जागीर कौर, पवन बंसल, किरण खेर, मीसा भारती, सनी देओल, शिबू शोरेन, आर के सिंह, भाकपा नेता अतुल कुमार अंजान, केंद्रीय मंत्री मनोज सिन्हा, महेन्द्र नाथ पांडे, अनुप्रिया पटेल समेत कई प्रमुख नेता शामिल हैं। वाराणसी सीट पर मोदी का मुकाबला कांग्रेस के अजय राय और समाजवादी पार्टी की शालिनी यादव से है। मोदी पहले ही रोड शो के जरिए अपना चुनाव प्रचार कर चुके हैं। बिहार की पाटलिपुत्र सीट पर केन्द्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद और कांग्रेस के शत्रुघ्न सिन्हा के बीच मुकाबला है जिस पर लोगों की खास नजर है। पूर्व लोकसभा अध्यक्ष एवं कांग्रेस उम्मीदवार मीरा कुमार का भाजपा के छेदी पासवान से मुकाबला है। इस चरण में मतदान के लिए 11 लाख दो हजार 986 मतदान केन्द्र बनाए गए हैं। चार करोड़ 74 लाख 56 हजार 828 महिला मतदाता हैं जबकि पुरूष मतदाओं की संख्या पांच करोड़ 27 लाख 14 हजार 890 है। किन्नर मतदाताओं की संख्या 3435 है।

बंगाल में राज्य सरकार की तानाशाही के कारण हिंसा हुई, सत्ता पर पेशेवर अपराधियों का कब्जाः योगी

वाराणसी (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश में भाजपा तीन लोकसभा सीटों गोरखपुर, फूलपुर, कैराना में हुए उपचुनाव में हार गई थी। गोरखपुर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सीट थी। साल 2017 के बाद हुए इस उपचुनाव में भाजपा की गठबंधन से सीधी टक्कर रही। अब कांग्रेस जोश में है। उसने छोटे दलों के साथ भाजपा की घेराबंदी की है। अंतिम चरण में यूपी की 13 सीटों पर चुनाव है। इस पर सीएम योगी ने दैनिक भास्कर से बातचीत की। उन्होंने दावा किया कि इस चुनाव में गठबंधन नाकाम है। जनता भाजपा के साथ है। जवाबः भाजपा सभी 13 सीटों पर क्लीन स्वीप करेगी। गठबंधन पहले चरण में फेल हो गया। हताश विपक्ष प्रधानमंत्री की जाति पूछ रहा है। यूपी में हम गोरखपुर सहित 74 सीटें जीतेंगे। मोदी जी के नाम और काम के कारण जनता हमारे साथ है। यूपी में एक भी दंगा नहीं हुआ। सिर्फ विकास हुआ। जवाबः कांग्रेस की नेता (प्रियंका गांधी वाड्रा) ने कहा कि राम जन्मभूमि विवादित है। जबकि हाईकोर्ट में साबित हो चुका है कि वह स्थान ही राम जन्मभूमि है। ऐसे में कांग्रेस नेता की टिप्पणी आहत करती है। कभी कांग्रेस सरकार ने राम और कृष्ण को मिथक बताया था। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी को जय श्रीराम कहने से नफरत है। जहां तक गठबंधन की बात है, यह जातिवाद- भ्रष्टाचार का गठजोड़ है। जनता जवाब देगी। जवाबः ममता दीदी की सरकार लोकतंत्र का काला अध्याय है। बंगाल में हिंसा का कारण वहां की प्रशासनिक मशीनरी और सरकार की तानाशाही है। सरकार पर पेशेवर अपराधियों और माफिया का कब्जा है। वहां पंचायत चुनाव में भी भारी हिंसा हुई थी। लोकसभा चुनाव के पिछले छह चरण में भी पूरे देश में सर्वाधिक हिंसा बंगाल में हुई जवाबः दीदी हताश है। बंगाल सरकार ने बुधवार को मेरी तीन सभाएं रद्द करा दीं। तीन दिन पहले अनुमति दी थी। हमने चुनाव आयोग से शिकायत की तो दो सभा के लिए एक घंटे पहले अनुमति दी। कैसे डिस्टर्ब करें, ये कोशिश हो रही है। इसके बावजूद भाजपा बंगाल में 26 से 30 सीटें जीतेगी। हार को सामने देखकर तृणमूल कांग्रेस बौखला गई है। जवाबः बंगाल में पहले कांग्रेस, फिर सीपीएम, अब तृणमूल कांग्रेस की सत्ता है। तृणमूल ने जनता का शोषण किया। 130 साल पहले बंकिमचंद चटर्जी ने अपनी किताब आनंदमठ में बंगाल की जिस बदहाली का जिक्र किया था, वह कई क्षेत्रों में आज भी मौजूद है। केंद्र सरकार की कल्याण योजनाएं बंगाल की सरकार ने लागू नहीं की। जवाबः दीदी एक झूठ 100 बार बोलकर उसे सच साबित करना चाहती हैं। जहां मूर्ति टूटी, वहां सीसीटीवी है। बंगाल सरकार फुटेज सार्वजनिक करे। राज्य सरकार ने उन स्कूलों को बंद किया, जिन्हें ईश्वरचंद्र विद्यासागर ने स्थापित कराया था। हम मूर्ति पूजक हैं। दीदी के ज्यादातर समर्थक मूर्ति विरोधी हैं। मूर्ति कैंपस में थी। भाजपा का रोड शो बाहर सड़क पर चल रहा था। जवाबः- विपक्षी दलों में हताश और निराश लोग हैं। ये लोग इसलिए एकजुट हो गए, क्योंकि इन्हें पता है ।

यूपीए अध्यक्ष सोनिया गांधी ने 23 मई को गैर-एनडीए दलों की बैठक बुलाई

नई दिल्ली। यूपीए की चेयरपर्सन सोनिया गांधी ने गैर-एनडीए दलों को 23 मई को बैठक के लिए बुलाया है। इसी दिन चुनाव परिणाम भी घोषित होने हैं। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस का मानना है कि भाजपा को इस बार बहुमत नहीं मिलेगा। इसी के मद्देनजर यूपीए प्रमुख ने सेक्युलर पार्टियों के नेताओं को निमंत्रण भेजा है। इनमें एनसीपी प्रमुख शरद पवार, डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन, रोजद और टीएमसी के नेता शामिल हैं। इस मामले को संभालने के लिए कांग्रेस ने चार नेताओं की टीम बनाई है। इसमें अहमद पटेल, पी.चिदंबरम, गुलाम नबी आजाद और अशोक गहलोत का नाम है। दरअसल, कांग्रेस दूसरी पार्टियों के नेताओं के बदलते रवैये पर लगातार नजर बनाए हुए है। इनमें तेलंगाना के मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव (केसीआर) का नाम शामिल है। राव ने केरल के मुख्यमंत्री पी.विजयन और डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन से मुलाकात की थी। इसका उद्देश्य तीसरे मोर्चे की सरकार के गठन पर चर्चा करना था। रिपोर्ट्स तो यह भी है कि मुख्यमंत्री राव और वायएसआर कांग्रेस के प्रमुख जगमोहन रेड्डी को भी यूपीए प्रमुख ने निमंत्रण भेजा था हालांकि इसकी पुष्टि नहीं की गई है। केसीआर की पार्टी तेलंगाना राष्ट्रीय समिति (टीआरएस) ने यह भी कहा था कि तीसरे मोर्चे की सरकार के गठन के लिए हम कांग्रेस का साथ ले सकते हैं, लेकिन राहुल गांधी को नेतृत्व सौंपने पर पार्टी को ऐतराज है। कांग्रेस महासचिव गुलाम नबी आजाद पहले ही कह चुके हैं कि पार्टी प्रधानमंत्री पद को लेकर बहुत ज्यादा उत्सुक नहीं है। यह पद सरकार बनाने के पार्टी के प्रयासों के बीच नहीं आएगा। राजद नेता तेजस्वी यादव ने गुरुवार को कहा है कि नई सरकार के गठन में कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी मुख्य भूमिका निभाएंगे।

जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 और 35-ए की समीक्षा की जरूरतः राजनाथ

नई दिल्ली। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 और अनुच्छेद 35-ए की समीक्षा करने की जरूरत है, ताकि यह पता चल सके कि आतंकवाद प्रभावित राज्य जम्मू-कश्मीर को इन संवैधानिक प्रावधानों से फायदा हुआ है या नुकसान। राजनाथ ने यह बयान ऐसे समय में दिया है, जब भाजपा ने मौजूदा लोकसभा चुनावों के लिए जारी अपने घोषणा-पत्र में अनुच्छेद 370 और अनुच्छेद 35-ए को खत्म करने का वादा किया है। भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने भी चुनाव प्रचार के दौरान बार-बार कहा है कि अपनी पार्टी की सत्ता में वापसी के बाद वह इन प्रावधानों को रद्द कर देंगे। केंद्रीय गृह मंत्री ने यह भी कहा कि जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराना चुनाव आयोग का विशेषाधिकार है। हालांकि, उन्होंने संकेत दिए कि विधानसभा चुनावों की घोषणा लोकसभा चुनावों के बाद हो सकती है। भाजपा की घोषणा-पत्र समिति के अध्यक्ष रहे राजनाथ ने कहा, 'कश्मीर एक चुनौती है, लेकिन उसका हल जल्द निकलेगा। गृह मंत्री से जब पर पूछा गया कि क्या अनुच्छेद 370 और अनुच्छेद 35-ए को खत्म करना कोई समाधान है, इस पर उन्होंने कहा, 'मुझे यह लगता है कि इसकी समीक्षा की जानी चाहिए कि धारा 370 या 35-ए के कारण कश्मीर को लाभ हुआ है, या हानि। पिछले दिनों भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने भी बयान दिया था कि भाजपा अनुच्छेद 370 खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। गडकरी ने एक टीवी इंटरव्यू के दौरान यह भी कहा था कि 'संवेदनशील हालात के कारण इसे (अनुच्छेद 370 को खत्म करना) लागू करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा था, 'हम इस बार पूर्ण बहुमत से सत्ता में थे, फिर भी हम आगे नहीं बढ़े। लेकिन जहां तक पार्टी की सोच, नीति और इस मुद्दे को लेकर रुख का सवाल है, ।

5 साल में पहली बार मोदी ने की प्रेस कॉन्फ्रेंस, बोले- पूर्ण बहुमत के साथ बनेगी भाजपा की सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)।

चुनाव प्रचार के आखिरी दिन पीएम मोदी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि भाजपा सरकार फिर से बनने जा रही है। पांच साल में यह पहली बार हुआ है जब शाह और मोदी एक साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे हैं। मोदी की प्रेस कॉन्फ्रेंस कहा कि जब मैं चुनाव के लिए निकला और मन बनाकर निकला था और अपने को उसी धार पर रखा। मैंने देशवासियों को कहा था कि 5 साल मुझे देश ने जो आशीर्वाद दिया उसके लिए मैं धन्यवाद देने आया हूं। अनेक उतार चढ़ाव आए, लेकिन देश साथ रहा। मेरे लिए चुनाव जनता को धन्यवाद ज्ञापन था। मोदी ने कहा कि देश में एक बार फिर से पूर्ण बहुमत के साथ बीजेपी की सरकार बनेगी। पूर्ण बहुमत वाली सरकार पांच साल पूरे करके दोबारा जीतकर आए ये शायद देश में बहुत लंबे अर्से के बाद हो रहा है। ये अपने आप में बड़ी बात है। मोदी ने कहा कि 16 मई को पिछली बार रिजल्ट आया था और 17 मई को एक दुर्घटना हुई थी, 17 मई को सट्टाखोरों को मोदी की हाजिरी का बड़ा नुकसान हुआ था। सट्टा लगाने वाले तब सब डूब गए थे, यानी ईमानदारी की शुरुआत 17 मई को हो गई थी। वहीं बीजेपी अध्यक्ष अमित शाह ने पार्टी मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि भाजपा सरकार फिर से बनने जा रही है। पांच साल में यह पहली बार हुआ है जब शाह और मोदी एक साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे हैं। बीजेपी अध्यक्ष ने कहा कि प्रेस कॉन्फ्रेंस में नरेंद्र मोदी का मौजूद रहना आनंद की बात है। बीजेपी अध्यक्ष ने कहा कि प्रेस कॉन्फ्रेंस में नरेंद्र मोदी का मौजूद रहना आनंद की बात है।

अमित शाह ने कहा कि हमारी सरकार 5 साल में 133 योजनाएं लेकर आए हैं। इस चुनाव में जनता हमसे आगे रही है। ये चुनाव आजादी के बाद के चुनाव में बीजेपी की दृष्टि से सबसे ज्यादा मेहनत करने वाला, सबसे विस्तृत चुनाव अभियान रहा है। इस चुनाव में हमारा अनुभव के अनुसार जनता हमसे आगे आगे रही है। मोदी सरकार फिर से बनाने के लिए जनता का उत्साह बीजेपी से भी आगे रहा है। ये पहला ऐसा चुनाव है जहां विपक्ष की ओर से महंगाई और भ्रष्टाचार चुनाव के मुद्दे नहीं थे। बहुत समय बाद देश की जनता ने ऐसा चुनाव देखा है जिसमें ये मुद्दे गायब थे। अमित शाह ने कहा कि हमने हर चुनाव में बड़ी सफलता हासिल की है। हमारी सरकार ने 50 करोड़ गरीबों के जीवन स्तर को उठाया है। मोदी ने हर योजना पर कड़ी नजर रखी है।

अमित शाह ने कहा कि बहुदलीय व्यवस्था देश को आगे ले जा सकती है। अमित शाह ने कहा कि बहुदलीय व्यवस्था देश को आगे ले जा सकती है। हम किसानों के लिए भी कई लाभकारी योजनाएं लाए हैं।

नेता नहीं अभिनेता हैं मोदीःप्रियंका

मिर्जापुर (एजेंसी)।

कांग्रेस महासचिव एवं पूर्वांचल की प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि जुमलेबाजी में निपुण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नेता नहीं बल्कि अभिनेता की तरह है। कांग्रेस प्रत्याशी के लिए रोड शो के बाद एक नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुये श्रीमती वाड्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक मंझे हुये अभिनेता की तरह जुमलेबाजी करते है। उनमें वास्तव में नेता नहीं बल्कि अभिनेता की छवि दिखती है। उनको देखकर लगता है कि अच्छा होता कि अमिताभ बच्चन को प्रधानमंत्री बना दिया जाता। किसानों के लिए मोदी सरकार द्वारा दी गयी छह हजार रूपये सालाना सम्मान निधि को अपमान निधि बताते हुए उन्होने कहा कि किसानों के हितैषी बनने वाले दिल्ली में किसानों से मिलने के लिए पांच मिनट का समय तक नहीं दिया। वे किसानों का हालचाल तक नहीं लेते है। वे किसानों की नहीं सोचते, वे अमीरों के साथ उठते बैठते हैं। मोदी सरकार मजबूत नहीं मगरूर सरकार है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने जो कुछ भी कहा,उसे कर दिखाया है। न्याय योजना देश के गरीब खासकर महिलाओं भाग्य बदल देगा। यदि कांग्रेस की सरकार बनी तो छात्रों के लिए शिक्षा लोन बगैर व्याज के दिया जायेगा। इससे होनहार छात्र आगे की पढ़ाई आसान हो जायेगी। इससे पहले कांग्रेस महासचिव ने रोड़ शो के जरिए मिर्जापुर में कांग्रेस के होने का संकेत देने की कोशिश की। नगर क्षेत्र के डंकिनगंज चौराहे से शुरू हुए रोड़ शो के दौरान बदली कटरा 'गिरधर के चौराहे पर वे लोगों से सीधा संवाद स्थापित करने व जुडने की कोशिश की। उन्होने काफिला रोक कर एक बच्चे को गोद लिया तो महिलाओं के सेल्फी देने मे भी गुरेज नहीं किया। उनकी झलक पाने के लिए महिलाएँ छत खड़ी हो कर पुष्प वर्षा कर रही थी। डंकिनगंज से संकटमोचन तक पहुंचने में एक घंटे का समय लगा। उन्होने कहा कि मिर्जापुर जिले का विश्व प्रसिद्ध कालीन उद्योग चौपट हो गया। बुनकर परेशान हैं। पीतल उद्योग की भी स्थिति और खराब हो गई है।

केंद्रीय मंत्री अनंत हेगड़े ने दिया विवादास्पद बयान, राहुल गांधी को बताया मंदबुद्धि

बेंगलुरू। केंद्रीय मंत्री अनंत हेगड़े ने कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी को लेकर विवादित बयान दिया है। दरअसल हेगड़े ने शक्रवार को उस समय एक विवाद खड़ा कर दिया जब उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के लिए एक ट्वीट में उन्हें मंदबुद्धि कह दिया। गांधी ने कहा था कि अंग्रेजी शब्दकोश में एक नया शब्द मोदीलाई जुड़ गया है। कौशल विकास मंत्री हेगड़े ने अपने ट्वीट में कहा, ये मंदबुद्धि राहुल गांधी इस बात को साबित करने पर तुले हुए हैं कि उनके पास अपनी तरह का विशिष्ट अंतरराष्ट्रीय मूर्खता कौशल है और अब यह सारी हदें पार कर गया है। उन्हें कोई नहीं रोक सकता.. अद्भुत...! गांधी ने बुधवार को कहा था कि अंग्रेजी शब्दकोश में एक नया शब्द शामिल किया है और उन्होंने इसका एक स्नैपशॉट भी जारी किया। इस फोटो में यह भी दिख रहा है कि मोदीलाई का क्या मतलब है और उसका वाक्य में कैसे प्रयोग करें। हालांकि आक्सफोर्ड विश्वकोश ने ऐसा कोई शब्द शामिल करने से इंकार किया है। उनके ट्विटर पर कहा गया है कि यह चित्र फर्जी है और ऐसा कोई शब्द ऑक्सफोर्ड शब्दकोश में शामिल नहीं किया गया है। इस बीच हेगड़े के नाथूराम गोडसे के लिए एक विवादित टिप्पणी करने पर बाद में सफाई पेश करते हुए उन्होंने कहा कि उनका अकाउंट हैक कर लिया गया है। हालांकि उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी की हत्या को न्यायोचित ठहराने का कोई सवाल नहीं है।

संपादकीय

अमेरिका में बाहरी लोग

दूसरे देश के लोग इस समय पूरी दुनिया में तकरीबन हर जगह विवाद का मुद्दा बने हुए हैं। इसकी एक वजह बेरोजगारी और आर्थिक मंदी के दबाव भी हैं। लेकिन पिछले कुछ समय से यह भाव पूरी दुनिया में बढ़ा है कि बाहर से आए लोग उनके रोजगार खा रहे हैं। यह भावना उस अमेरिका में भी बढ़ी है, जिसके बारे में यह माना जाता रहा है कि बाहर से आए लोगों ने ही उसे क्या से क्या बना दिया। लेकिन अब वहां भी बाहर से आने वाले लोगों का मुद्दा पिछले काफी समय से राजनीतिक रूप से काफी गरम है। यह भी माना जाता है कि अमेरिका के मौजूदा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ऐसी ही राजनीतिक गरमी की बदौलत सत्ता के शिखर तक पहुंचे हैं। यही वजह है कि सत्ता संभालने के तुरंत बाद से ही वह अपने मुल्क की आव्रजन नीति के पीछे लट्ठ लेकर घूम रहे हैं। मैक्सिको से अमेरिका में घुसपैठ करने वालों को रोकने के लिए तो वह सीमा पर दीवार बनाने की हद तक जाने को तैयार हैं। दुनिया भर के पेशेवर जिस एच-1 बी वीजा के आधार पर अमेरिका जाकर वहां की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देते रहे हैं, उस नीति में पिछले कुछ समय में जितने परिवर्तन हुए हैं, उतने शायद पिछले किसी राष्ट्रपति के कार्यकाल में नहीं हुए हैं। पिछले कुछ समय से यह सवाल उठ रहा है कि क्या अमेरिका दुनिया भर की प्रतिभाओं के लिए अपने दरवाजे बंद कर लेगा? देश की आव्रजन नीति क्या हो, इसे लेकर अमेरिका में भी खासी बहस चल रही है। और तो और ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी के नेता भी इसको लेकर खासे नाराज हैं। पार्टी के नाराज नेताओं को मनाने के मकसद से राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने दामाद जार्ड कुशनर से नई आव्रजन नीति का मसौदा तैयार करवाया है, अभी तक की खबर यही है कि यह मसौदा भी नाराजगी दूर करने में नाकाम रहा है। नए मसौदे में ट्रंप की पिछली सोच के मुकाबले कुछ उदारता दिखाने की कोशिश की गई है। यह कहा गया है कि ऐसी प्रतिभाओं को अमेरिका में आकर रहने की इजाजत दी जाएगी, जिनके पास पर्याप्त योग्यता यानी डिग्री हो और वे अंग्रेजी भी ठीक से बोल सकते हों। हालांकि यह मसौदा घुमा-फिराकर यह भी कहता है कि प्रतिभाओं का तो स्वागत किया जाएगा, लेकिन उनके परिवार के सदस्यों का नहीं। दूसरी तरफ यह माना जा रहा है कि यह मसौदा भारतीय प्रतिभाओं के लिए काफी लाभकारी हो सकता है। पहले यह लग रहा था कि भारतीय प्रतिभाओं के लिए अमेरिका के दरवाजे तेजी से बंद होते जा रहे हैं। यह मसौदा बताता है कि अमेरिका को प्रतिभाओं के मामले में कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों से जो चुनौती मिलने लगी है, उसे वहां महसूस किया जा रहा है। इसमें बताया गया है कि इन दोनों देशों के मुकाबले अमेरिका में प्रतिभाएं कम आ रही हैं और जो आ चुके हैं, उसमें उनके परिजन ज्यादा हैं। यह मसौदा डिग्रीधारी प्रतिभाओं की बात करता है, जबकि दिलचस्प यह है कि अमेरिका की सबसे बड़ी कंपनी गूगल ने पिछले दिनों अपनी मानव संसाधन नीति को पूरी तरह बदल दिया। अब वहां नौकरी के लिए डिग्री की जरूरत नहीं, प्रतिभा ही पर्याप्त मानी जाएगी। यह बताता है कि तकनीक हमारी दुनिया को किस तरफ ले जाना चाहती है, दूसरी तरफ ट्रंप पिछले कुछ साल से जो कर रहे हैं, वह बताता है कि राजनीतिक दबाव हमें किधर ले जाना चाहते हैं।

ट्वीट

ताकत

जो कुछ बंगाल में हो रहा है वो बंगाल की महान और गौरवशाली परम्परा के सर्वथा विपरीत है! आशा है बंगाल का भदलोक मतदान की ताकत से ऐसे दादाओं-दीदीयों को सबक सिखाएगा! मासूम जनभावनाओं के शोषण से अचानक सत्ता पाए ऐसे अराजक, कितने खतरनाक होते हैं, जानता हूं। -- कुमार विश्वास, कवि

तेल आयात प्रतिबंध से उपजा संकट

पुष्परंजन

आप तेल पर प्रतिबंध लगा सकते हैं, मगर किसी शायर और उसके कलाम पर कैसे? संयोग देखिये, ईरान के विदेश मंत्री मोहम्मद जावेद ज़रीफ सोमवार को दिल्ली आये और ख़ाली हाथ लौट गये। उनकी समकक्ष सुषमा स्वराज ने बता दिया कि ईरानी तेल के आयात पर चुनाव के बाद आने वाली सरकार निर्णय करेगी। जावेद ज़रीफ के विदा लेने के 24 घंटे बाद 15 मई को घोषणा हुई कि ईरान के महान शायर फिरदौसी की काव्य रचना 'शाहनामा' को भारत और ईरान के कलाकारों के संयुक्त सहयोग से तैयार कर लिया गया है। हर साल 15 मई को ईरान के प्रसिद्ध शायर अबुल क़ासिम फिरदौसी को याद किया जाता है। 'शाहनामा' में साठ हज़ार शे'र हैं, जिसे रचने में फिरदौसी को 35 साल लगे थे। 25 फरवरी 1010 को फिरदौसी जब इसे सुल्तान महमूद गजनबी को समर्पित करने गये, वह तय रकम के वायदे से मुकर गया। महमूद गजनबी की इस वायदा ख़िलाफी से फिरदौसी के तनबदन में आग लग गई। वह हिरात भागने से पहले सुल्तान की घोर निंदा करते हुए शाहनामे में एक कविता को जोड़ गये। इस तरह 'शाहनामा' एक वायदा खिलाफ सम्राट की भर्त्सना का प्रतीक बन गया। भारत में 32 किलो के इस ग्रंथ 'शाहनामा' को नये सिरे से सजाकर तैयार करने में चार साल लगे। इसकी टाइमिंग कुछ अजीब -सी कही जा सकती है। आज जो लोग शासन चला रहे हैं, उनकी वायदा खिलाफी को शाहनामे से जोड़ा जाए? इस मुश्किल सवाल का जवाब, नूर माइक्रो फिल्म के प्रमुख मेहंदी ख्वाजा पीर की मुस्कुराहटों में कहीं विलीन हो जाता है। 32 किलो वज़न के इस ग्रंथ का भारत में निर्माण और उसके अनावरण से कोई फ़र्क अमेरिका पर पड़ता नहीं दिखता। ट्रंप शासन को इससे मतलब है कि भारत एक बूंद तेल ईरान से न ले। ऐसा क्या है कि भारत, ईरान से तेल आयात वाले मुद्दे पर अमेरिका को नाराज़ करने की स्थिति में नहीं है? पहली नज़र में मसूद अज़हर दिखता है, जिसे अंतर्राष्ट्रीय आतंकी घोषित कराने में अमेरिका की बड़ी भूमिका रही है। दूसरा, चुनाव का अंतिम चरण, जिसे कोई बाहरी शक्ति प्रभावित न करे। यह भी रणनीति का हिस्सा हो सकता है, जिसे सरकार प्रत्यक्ष रूप से प्रकट नहीं कर सकती। मगर, 15 दिनों की अवधि में क्या भारत में तेल संकट की स्थिति पैदा नहीं हो सकती? शायद, फ़र्क न भी पड़े। इंडियन स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व लिमिटेड के सीईओ एसपीएस आहूजा बताते हैं कि भारत के पास 87 दिन का तेल भंडार है।

चीन के बाद भारत दूसरे नंबर पर है, जो ईरान से सर्वाधिक क्रूड आयल आयात करता है और उसकी क़ीमत डॉलर में नहीं, रुपये में अदा करता है। प्रतिबंध से पहले भारत हर दिन 4 लाख 25 हज़ार बैरल तेल ईरान से लेता रहा है। अमेरिका यह नहीं बता रहा है कि इस बैन के बाद विकल्प क्या है? बस हमने प्रतिबंध लगा दिया, तो ईरान से तेल नहीं लेना है। आप तेल आयात बढ़ाना चाहें तो सऊदी अरब, यूएई से बात करें। भारत प्रतिदिन सऊदी अरब से आठ लाख बैरल कच्चा तेल ख़रीदता है। पहले भारत कह चुका था कि हम किसी देश के एकपक्षीय प्रतिबंध को नहीं मानते। मगर, जब इसके पालन का वक्त आया तो भारत बैकफुट पर चला गया। इस सच से इनकार नहीं कर सकते कि रियाद, तेल विवाद का व्यापारिक लाभ उठाने में लगा हुआ है। सऊदी अरब, भारत से 28 अरब डॉलर के कारोबार को कुछ महीनों में तेज़ी से बढ़ा सकता है। उसे हर हाल में ईरान का मार्केट शेयर खाना है। रियाद स्थित कंपनी 'आर्मको' के तेल रणनीतिकार इस समय मुंबई में बैठे क्या कर रहे हैं? यह खोज का विषय है। उन्हें भारत में तेल भंडारण के क्षेत्र में बड़ा निवेश करना है। ईरान से अमेरिकी अदावत का दूरगामी फायदा सऊदी अरब कैसे उठाना चाहता है, उसका ताज़ा उदाहरण बलूचिस्तान का ग्वादर बंदरगाह है, जहां आर्मको 10 अरब डॉलर की लागत से विशाल रिफाइनरी का निर्माण कर रहा है। दरअसल, तेल के वैश्विक कारोबार की दुर्गति ट्रंप की जिद की वजह से हो रही है। ईरान से पहले एक और तेल निर्यातक देश वेनेजुएला पर किस तरह डोनाल्ड ट्रंप की वक्र दृष्टि पड़ी, इसे पूरी दुनिया ने मूकदर्शक की तरह देखा। इस चौधराहट को रोकने के वास्ते कोई आगे नहीं बढ़ पा रहा है। ईरान वाले इश्यू पर ब्रसेल्स में कुछ यूरोपीय देश अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोंपियो से विरोध प्रकट कर चुके हैं। सोची में माइक पोंपियो से रूस इस विषय पर क्या कहता है, प्रतिक्रिया आनी बाक़ी है।

अमेरिका ने बस यह आश्वस्त किया कि हम ईरान से युद्ध नहीं चाहते। इस बीच ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली ख़ामेनेई ने भी स्पष्ट कर दिया है कि हम अमेरिका से युद्ध नहीं चाहते। तो क्या होरमुज जलडमरूमध्य में नूरा कुश्ती चल रही थी? रविवार को होरमुज से गुज़र रहे चार तेल टैंकरों पर हमले की ख़बर से खाड़ी में हड़कंप मचा था। सुरक्षा कारणों से अमेरिका ने बगदाद से अपने कूटनीतिज्ञ वापिस बुला लिये थे। वैसे, ईरान के मामले में ट्रंप ने जिस तरह की हठधर्मिता शुरू की है, उससे वह खुद कठघरे में खड़े हो सकते हैं। विएना स्थित अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा अधिकरण (आईएईए) ने माना है कि जनवरी 2016 से ईरान ने संधि की सभी शर्तों को माना है। ईरान ने 2015 के समझौते में अपने क़रीब नौ टन अल्प संवर्धित यूरेनियम भंडार को कम करके 300 किलोग्राम पर लाने की शर्त स्वीकार की थी। यह सब कुछ ट्रंप के पूर्ववर्ती बराक ओबामा के समय हुआ था। ट्रंप ने उस समझौते को जिस तरह से पलटा है, उससे 'फाइव प्लस वन' के बाक़ी सदस्य देश खुश नहीं हैं। यह नाखुशी ब्रसेल्स में यूरोपीय संघ के नेताओं ने प्रकट कर दी है। ट्रंप की एकतरफा कार्रवाई से त्रस्त ईरान के राष्ट्रपति हसन रोहानी ने सुरक्षा परिषद के स्थाई सदस्य देश रूस, चीन, ब्रिटेन, फ्रांस, अमेरिका के अतिरिक्त जर्मनी को औपचारिक जानकारी दी है कि हम संधि से आंशिक रूप से अलग हो रहे हैं। इस नाक की लड़ाई में सबसे अधिक नुकसान भारत को हो रहा है। ईरान को सौ फीसदी पेमेंट हम रुपये में कर रहे थे। इससे हमारे विदेशी मुद्रा भंडार पर भी बड़ा फर्क पड़ने वाला है। एक और बड़ी बात यह है कि ईरान की तरह अमेरिका, सऊदी अरब, इराक, नाइजीरिया, कुवैत जैसे तेल निर्यातक देश हमें 60 दिनों तक क्रेडिट की सुविधा नहीं देते हैं।

लेखक ईयू-एशिया न्यूज़ के नयी दिल्ली संपादक हैं।

ज्ञान गंगा

पाचन तंत्र

जग्गी वासुदेव

हो सकता है आप सोचते हों, कि पूरे दिन कुछ न कुछ खाते रहने से आप को और सक्रिय रहने में मदद मिलेगी, लेकिन अगर आप यह देखें कि पेट में खाना भरा होने पर आप का शरीर कैसा महसूस करता है और पेट खाली होने पर कैसा महसूस करता है, तो आप पाएंगे कि पेट खाली रहने पर आप का शरीर और दिमाग दोनों बेहतर काम करते हैं। अगर आप के पाचन तंत्र में खाना पचाने की क्रिया लगातार जारी रहे तो शरीर की कुछ ऊर्जा लगातार उसी में लगी रहती है, जिससे शरीर और दिमाग सबसे अच्छी तरह से काम नहीं करते। पेट खाली होने का यह मतलब नहीं कि आपको भूख लगने लगेगी। आप को भूख तब लगती है जब ऊर्जा का स्तर बहुत नीचे हो जाता है। वरना, पेट खाली ही होना चाहिए। अगर आप अपनी पूर्ण क्षमता से काम करना चाहते हैं तो जागरूक बनिये और ऐसा खाना खाईये, जिससे आप का पेट डेढ़ से ढाई घंटों में खाली हो जाए और खाना पेट से निकल कर आंत में चला जाए। उसके बाद शरीर को उतनी ऊर्जा की जरूरत नहीं होती। और 12 से 18 घंटों के बीच खाना आप के शरीर में से पूरी तरह बाहर हो जाना चाहिए। इस बात पर योग बहुत जोर देता है। पेट खाली होने का यह मतलब नहीं कि आपको भूख लगने लगेगी। आप को भूख तब लगती है जब ऊर्जा का स्तर बहुत नीचे हो जाता है। वरना, पेट खाली ही होना चाहिए। अगर आप इतनी जागरूकता रखते हैं तो आप पर्याप्त ऊर्जा, चुस्ती और सजगता का अनुभव करेंगे। आप चाहे किसी भी क्षेत्र में हों, कोई भी काम करते हों, यह आप के सफल जीवन के लिए आवश्यक तत्व है। जब पेट में पाचन प्रक्रिया चल रही होती है तब कोशिकाओं के स्तर पर शुद्धिकरण की प्रक्रिया लगभग रु क जाती है। अगर आप दिन भर खाते ही रहते हैं तो कोशिकाओं में अशुद्धियां लंबे समय तक बनी रहती हैं, जो फिर एक अवधि के बाद शरीर में कई प्रकार की समस्याएं उत्पन्न करती हैं। आंतों से मल बाहर निकलने की प्रक्रिया भी तब सही ढंग से नहीं होती क्योंकि बड़ी आंत में, एक ही समय पर आने की बजाय, अलग-अलग समय पर कचरा आता ही रहता है। यौगिक व्यवस्था में हम ऐसा कहते हैं कि एक भोजन के बाद दूसरा भोजन करने में कम से कम 6 से 8 घंटों का अंतर होना चाहिए।

आज का राशिफल

मेष — पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आपके वर्चस्व तथा प्रभाव में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

वृषभ — जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

मिथुन — प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। आर्थिक लाभ होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा।

कर्क — पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समाचार मिलेगा। रोजी रोजगार के प्रयास सफल होंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

सिंह — व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाणी की सौम्यता से रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

कन्या — जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

तुला — पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

वृश्चिक — आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। व्यावसायिक दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। विरोधियों का पराभव होगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

धनु — पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर — राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। आर्थिक संकट से गुजरना होगा। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलायेगी।

कुम्भ — बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। टकराव की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन आगमन होगा। कुटुम्बजनों का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मीन — कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

सपनों को हकीकत बनाने की ऊंची उड़ान

चर्चित चेहरा/ अरुण नैथानी

अटलांटिक महासागर पार करने के बाद जब कनाडा के एयरपोर्ट पहुंचने पर आरोही को भारतीय उच्चायुक्त विकास स्वरूप ने तिरंगा थमाया तो उसके शब्द थे- 'भारत और दुनिया की महिलाओं के लिये मैं यह सब कर पायी, मेरे लिये गौरव का क्षण है। अटलांटिक महासागर के ऊपर उड़ान भरना एक अवर्णनीय अनुभव था। हल्के नीले आसमान और गहरे नीले समुद्र के बीच अकेले एक छोटा-सा विमान उड़ाना बेहद रोमांचकारी एहसास था।' आरोही पंडित मुंबई की तेईस वर्षीय वह कमाल की बेटी है, जिसने लाइट स्पोट ्र्स एयरक्रॉफ्ट से अटलांटिक महासागर को पार किया है। वह ऐसा करने वाली विश्व की पहली महिला पायलट है। 'माही' नामक जिस लाइट स्पोट ्र्स एयरक्रॉफ्ट से आरोही ने यह उड़ान भरी, वह एक इंजन वाला साइनस-912 है। जिसका वजन बुलेट मोटरसाइकिल से भी कम महज चार सौ किलोग्राम है। तकरीबन तीन हजार किलोमीटर का सफर तय करके बीते मंगलवार को कनाडा के इकालुइट हवाई अड्डे पर पहुंचने से पहले आरोही ने बीच में ग्रीनलैंड व आइसलैंड में छोटे पड़ाव लिये। पुरानी कहावत है कि सुबह जिसकी हुई, वह सचमुच सारी रात नहीं सोया होगा। आरोही ने एक साल पहले अपने इस अभियान की से जुड़ी तैयारियों की शुरुआत की थी और इस दौरान कठिन अभ्यास से गुजरी। उसने विषम परिस्थितियों वाले मौसम में सात माह प्रशिक्षण हासिल किया। भारत के अलावा इटली, साइबेरिया, ग्रीनलैंड में वह परीक्षाओं से गुजरी, जिसमें बियाबान जंगल, निर्जन इलाके, समुद्र के ऊपर व रक्त जमा देने वाले साइबेरिया के बर्फीले इलाके भी शामिल थे। अपने लक्ष्य को हासिल करने की तैयारियों में पहले भारत में गुजरात व पंजाब से हुई यात्रा कालांतर पाकिस्तान तक जा पहुंची। पाकिस्तान में वर्ष 1947 के बाद लाइट स्पोट ्र्स एयरक्रॉफ्ट उतारने वाली वह पहली भारतीय महिला पायलट थी। इस रिकॉर्ड के अलावा भी कई रिकॉर्ड उसने इस यात्रा के दौरान बनाये। इस अभ्यास यात्रा में उनकी अभिन्न मित्र केथर मिसक्केटा भी थी। उड़ान तीस जुलाई 2018 को शुरू हुई थी। पाकिस्तानी धरती पर लाइट स्पोट ्र्स एयरक्रॉफ्ट लैंड करवाने के बाद आरोही पंडित ईरान, तुर्की, सर्बिया, स्लोवेनिया, फ्रांस, ब्रिटेन होते हुए जर्मनी तक पहुंची। मुंबई के बोरीवली इलाके की रहने वाली आरोही पंडित ने अटलांटिक महासागर पार करने की रोमांचक यात्रा में कई रिकॉर्ड अपने नाम किये। उसने जब ग्रीनलैंड पार किया तब भी एक विश्व रिकॉर्ड बना। जब वह तीस जुलाई को स्वदेश लौटेंगी तो भी उनके नाम एक नया रिकॉर्ड होगा। निन्संदेह आरोही ने यह सफलता हासिल करके अपने परिवार, विमानन के रोमांच से जुड़े लोगों व देशवासियों को अपनी इस कामयाबी से रोमांचित किया है। इस मायने में भी कि छोटी उम्र में भारतीय परिवारों द्वारा ऐसे जोखिम भरे अभियानों में भाग लेने की अनुमति देना आम बात नहीं है। आरोही ने इस सफलता से साबित किया कि मौका मिले तो बेटियां अपना आकाश हासिल कर सकती हैं। यह भी निष्कर्ष कि महिलाएं साहसिक अभियानों में कहीं से भी पुरुषों से कमतर नहीं हैं। बॉम्बे फ्लाइंग क्लब से उड़ान भरने का अनुभव हासिल करने वाली आरोही की इस रोमांचकारी यात्रा को एक संस्था सोशल एसेस ने प्रायोजित किया था। इससे पहले आरोही को भारतीय नागर विमानन महानिदेशालय से लाइट स्पोट ्र्स एयरक्रॉफ्ट उड़ाने के लिये पंजीकृत पायलट बनना पड़ा। ये आरोही का साहस ही था कि इस यात्रा के दौरान उसके साथ कोई नहीं था। उसने न केवल

हिम्मत और हौसले से एयरक्रॉफ्ट उड़ाया बल्कि अपने लक्ष्य को भी खूबसूरती से हासिल किया। सोलो फ्लाइट पायलट के रूप में सफल यात्रा को आरोही अपनी बड़ी कामयाबी मानती है। तकरीबन अस्सी हॉर्सपावर क्षमता वाले छोटे इंजन के साथ एयरक्रॉफ्ट कुल 215 कि.मी. प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ता है। इसके साथ एक समस्या यह भी है कि यह लगातार चार घंटे से अधिक नहीं उड़ सकता। इसी वजह से बीच-बीच में कुछ स्थानों पर लैंडिंग करके हाल्ट लेने पड़ते हैं। इस जहाज के कॉकपिट में मल्टी-फंक्शन डिस्पले होता है। इसमें जीवन रक्षा उपकरण, आक्सीजन की सुविधा और एक बैलिस्टिक पैराशूट बचाव प्रणाली भी शामिल है।

एक मायने में देखें तो माही नामक छोटे विमान द्वारा आरोही द्वारा हासिल कामयाबी को महिला सशक्तीकरण की उपलब्धि भी माना जा सकता है। लेकिन इतना तो तय है कि मन की मंजिल उन्हें ही हासिल होती है, जिनमें सपनों को हकीकत में बदलने का दमखम होता है। यानी मन की चाहत के साथ कुछ कर गुजरने का जज्बा भी। तभी आरोही खराब व प्रतिकूल मौसम के बावजूद नीले विस्तारित अटलांटिक सागर को पार कर पायी। वह आज उन तमाम युवाओं के लिये प्रेरणास्रोत है जो जीवन में कुछ अलग करना चाहते हैं।

भारत में खुलेंगे टैको बैल के 600 रेस्तरां, 20000 लोगों को मिलेगा रोजगार

नई दिल्ली(एजेंसी) ।

पिज्जा हट, के.एफ.सी. जैसी फास्ट फूड कम्पनियों का संचालन करने वाली अमरीकी फास्ट फूड कम्पनी यम ब्रांड भारत में टैको बैल के 600 आऊटलैट खोलेगी। यम ब्रांड के इस फैसले से भारत में 20,000 लोगों को रोजगार मिलेगा। टैको बैल के इंटरनैशनल प्रैजीडैंट लिज विलियम्स ने घोषणा की कि उन्होंने बर्मन हॉस्पिटैलिटी के साथ एक मास्टर फैंचाइजी एग्रीमैंट पर साइन किए हैं। विलियम्स ने कहा, ''हम भारत में आने वाले 10 सालों में 600 रेस्तरां खोलने की योजना बना रहे हैं। फिलहाल अकेले अमरीका में टैको बैल के 7,000 रेस्तरां हैं जबकि बाकी 500 रेस्तरां दुनिया के अलग-अलग देशों में खोले गए हैं।'' टैको बैल ने सबसे पहले 2010 में भारत में प्रवेश किया और यहां पर अपने रेस्तरां खोले। इसने 5 साल बाद फैंचाइजी पार्टनर के रूप में बर्मन हॉस्पिटैलिटी के साथ हस्ताक्षर किए जिसके चलते पूरे देश में इसके 35 रेस्तरां खुले हैं। नैशनल रेस्तरां एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने पिछले सप्ताह एक रिपोर्ट में कहा था कि भारतीय रेस्तरां उद्योग ने 2018-19 में 7.3 मिलियन लोगों को रोजगार दिया और संगठित खाद्य सेवा क्षेत्र ने करों में 18,000 करोड़ रुपए का योगदान दिया। एसोसिएशन ने कहा कि 2018-19 में भारतीय फूड सर्विस मार्कीट का लगभग 4,23,865 करोड़ रुपए है, जो 2022-23 तक बढ़कर 5,99,782 करोड़ रुपए होने का अनुमान है। बर्मन हॉस्पिटैलिटी के निदेशक गौरव बर्मन के अनुसार एक स्टोर पर लगभग 3 करोड़ रुपए का खर्चा आएगा।

मास्टर फैंचाइजी समझौते के हिस्से के रूप में बर्मन हॉस्पिटैलिटी में प्रवेश स्तर के टीम के सदस्यों, रेस्तरां प्रबंधन और स्टोर पदों सहित 20,000 से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा।

कर्मचारियों को 5 करोड़ शेयर देगी इंफोसिस, सीईओ पारेख को 10 करोड़ रुपए के शेयर मिलेंगे

बिजनेस डेस्क (एजेंसी) ।

देश की बड़ी आईटी कंपनी इंफोसिस ने अपने कर्मचारियों को करोड़ों रुपए के शेयर देने के प्लान को आगे बढ़ाया है। कंपनी की ओर से जारी बयान के मुताबिक, कंपनी के बोर्ड ने एक्सपेंडेड स्टॉक ऑनरशिप प्रोग्राम 2019 को मंजूरी दे दी है। इसके तहत कर्मचारियों को करीब 3700 करोड़ रुपए की कीमत वाले 5 करोड़ शेयर दिए जाएंगे। आपको बता दें कि कंपनी ने यह प्रोग्राम कर्मचारियों को लंबे समय तक अपने साथ जोड़ने के लिए बनाया है। कंपनी में नौकरी छोड़ने की दर बढ़कर 20 फीसदी हो गई है। कर्मचारियों को मिलेंगे करोड़ों के शेयर- इंफोसिस सीईओ सलिल पारेख को 10 करोड़ रुपए के शेयर इन्सेंटिव के तौर पर देगी सीओओ यू बी प्रवीण राव को 4 करोड़ रुपए के शेयर मिलेंगे कर्मचारियों को परफॉर्मेंस के आधार पर इन्सेंटिव के नए प्रोग्रामके तहत शेयर दिए जाएंगे। इंफोसिस ने सीईओ के कंपनी ने गुरुवार को रेग्युलेटरी फाइलिंग में बताया कि शेयरधारकों की मंजूरी के बाद स्टॉक ऑनरशिप प्रोग्राम लागू हो जाएगा। साल 2015 की योजना के मुताबिक इंफोसिस समय के आधार पर शेयर देती थी लेकिन अब परफॉर्मेंस के आधार पर दिए जाएंगे। इंफोसिस के सीईओ का कहना है कि कर्मचारी हमारी सबसे बड़ी संपत्ति हैं। स्टॉक ऑनरशिप प्रोग्राम के जरिए हम उन्हें कंपनी में हिस्सेदार बनाना चाहता हैं। उन्हें लंबी अवधि में कंपनी की सफलता से फायदा होगा। इस साल की मार्च तिमाही के आखिर तक इंफोसिस के कर्मचारियों की संख्या 2.28 लाख थी। कर्चमारियों के कंपनी छोड़ने

की दर (एट्रिशन रेट) 20.4त्न थी।

जबकि, साल 2018 की मार्च तिमाही में एट्रिशन रेट 19.5त्न थी। इंफोसिस 1995 से लगातार अपने कर्मचारियों को शेयर दे रही है। स्टॉक ओनरशिप प्रोग्राम के तहत ऐसे कर्मचारियों को शेयर दिए जाते हैं,।

तुअर दाल होगी 100 रुपए के पार, उत्पादन कम होने से तेजी

नई दिल्ली(एजेंसी) ।

जल्द ही तुअर दाल की कीमत फिर से 100 रुपए प्रति किलोग्राम होने जा रही है। दाल में तेजी चल रही है और अभी यह रुख जारी रहेगा। तुअर दाल के उत्पादन में पिछले साल के मुकाबले 30-35 प्रतिशत की कमी बताई जा रही है। वहीं उड़द दाल के उत्पादन में पिछले साल की तुलना में 15-20 प्रतिशत की गिरावट है। तुअर एवं उड़द में तेजी के रुख से चना दाल में भी मजबूती शुरू हो गई है। थोक मंडी में तुअर दाल की कीमत 5,700-5,800 रुपए प्रति क्विंटल चल रही है। चना दाल की थोक कीमत 4,500 रुपए प्रति क्विंटल के आस-पास चल रही है। पिछले 2 माह के दौरान दालों के थोक भाव में 800 रुपए प्रति क्विंटल तक की तेजी आई है। ऑल इंडिया दाल मिलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल ने बताया कि तुअर दाल की थोक कीमत अगर 58 रुपए प्रति किलो होगी तो इसकी खुदरा कीमत 90 रुपए से अधिक आएगी क्योंकि दाल को तैयार करने के दौरान 25 प्रतिशत छिलका या चूरी निकलती है। उन्होंने बताया कि जिस गति से तेजी चल रही है उस हिसाब से तुअर दाल के थोक भाव 6,000 रुपए प्रति क्विंटल से अधिक हो जाएंगे। अग्रवाल ने बताया कि दाल की खुदरा कीमत 100 रुपए प्रति किलोग्राम के स्तर को जल्द ही छू लेगी। हालांकि दाल के दाम को नियंत्रण में रखने के लिए सरकार दाल मिलर्स को आयात का लाइसैंस जारी करने जा रही है। दाल मिलर्स 2 लाख टन दाल का आयात कर सकेंगे।

पिछले 2 साल से तुअर दाल के आयात पर भारत सरकार की तरफ से रोक के कारण अफ्रीका में तुअर दाल के उत्पादन में कमी आई है।

बोइंग ने कहा, 737 मैक्स विमान का सॉफ्टवेयर अपडेट, जल्द होगी टेस्टिंग

न्यूयॉर्क(एजेंसी) ।

विमान बनाने वाली अमेरिकी कंपनी बोइंग ने 737 मैक्स के सॉफ्टवेयर से जुड़ी खामी को दूर करने का काम पूरा कर लिया है और अब वह इसकी प्रमाणिकता के लिए अंतिम उड़ान की तैयारी कर रही है. कंपनी ने गुरुवार को इस बारे में जानकारी दी. बोइंग ने लायन एयर और इथियोपियन एयरलाइंस हादसों के बाद 737 मैक्स विमानों में सॉफ्टवेयर अद्यतन (अपडेट) करने की घोषणा की थी. विमान हादसों के बाद दुनियाभर के देशों ने विमानों को परिचालन से बाहर कर दिया था। विमानों का परिचालन फिर शुरू करने से पहले बोइंग को प्रस्तावित सुधार पर अमेरिकी और अंतरराष्ट्रीय नियामकों की मंजूरी की जरूरत होगी. उड़ान प्रबंधन प्रणाली की इसी खामी

को दोनों हादसों का कारण माना जा रहा है. बोइंग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डेनिस मुईलेनबर्ग ने बयान में कहा, सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है. हमने सॉफ्टवेयर अपडेट को लेकर सारी इंजीनियरिंग परीक्षण उड़ानें पूरी कर ली हैं और अब इसकी प्रमाणिकता के लिए अंतिम उड़ान की तैयारी कर रहे हैं. बोइंग ने कहा कि उसने 737 मैक्स विमान में मैनोवरिंग कैरेक्टरस्टिक ऑगमेन्टेशन सिस्टम (एमसीएएस) से जुड़ी खामी को दूर करने के बाद 360 घंटों से ज्यादा उड़ान भरकर परीक्षण किया. इसके लिए 207 उड़ानें संचालित की गईं. कंपनी ने कहा कि बोइंग उड़ान के प्रमाणिक परीक्षण के लिए संघीय विमानन नियामक को अतिरिक्त जानकारी दे रही है. नियामकीय मंजूरी के लिए यह एक अहम कदम है।

बजाज ऑटो का मुनाफा 17 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई । दोपहिया और तिपहिया वाहन बनाने वाली कंपनी बजाज ऑटो का शुद्ध लाभ वर्ष 2017-18 के 4218.95 करोड़ रुपए की तुलना में वर्ष 2018-19 में 16.79 प्रतिशत बढ़कर 4927.61 करोड़ रुपए हो गया। कंपनी द्वारा आज जारी वित्तीय परिणाम के आंकड़ों के मुताबिक बीते वित्त वर्ष उसकी कुल आमदनी 26,775.53 करोड़ रुपए से बढ़कर 31,804.97 करोड़ रुपए हो गई। इसमें ऑटोमोटिव से प्राप्त 30,539.67 करोड़ रुपए का राजस्व और निवेश से प्राप्त 1,265.30 करोड़ रुपए का राजस्व शामिल है। इस अवधि में उसका कुल व्यय 21,097.73 करोड़ रुपए से बढ़कर 25,541.14 करोड़ रुपए हो गया। समीक्षाधीन वित्त वर्ष में कंपनी की गैर चालू परिसंपत्ति 15,890.17 करोड़ रुपए से बढ़कर 21,761.25 करोड़ रुपए तथा चालू परिसंपत्ति 9,250.83 करोड़ रुपए से घटकर 7,073.16 करोड़ रुपए रह गई। गत वित्त वर्ष की 31 मार्च को समाप्त चौथी तिमाही में कंपनी का कुल मुनाफा 1,175.47 करोड़ रुपए से बढ़कर 1,408.49 करोड़ रुपए हो गई।

घर खरीदारों को मिली बड़ी राहत, पजेशन में 1 साल की देरी पर ले सकते हैं रिफंड

बिजनेस डेस्क (एजेंसी) ।

अगर आप घर खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं या घर खरीद चुके हैं लेकिन आपको उसका पजेशन नहीं मिला तो ये खबर आपके लिए बहुत बड़ी खुशखबरी हो सकती है। राष्ट्रीय विवाद निवारण आयोग ने ऐलान किया है कि अगर बिल्डर घर सौंपने के वादे की तारीख से एक साल बाद तक घर देने का वादा पूरा नहीं कर पाता तो खरीदार धन वापसी का दावा कर सकते हैं। आपको बता दें कि शीर्ष उपभोक्ता आयोग ने फ्लैट तैयार करने की देरी की सीमा निर्धारित कर दी है। आयोग का कहना है कि अगर बिल्डर एक साल से ज्यादा देरी करता है तो खरीदार रीफंड का दावा कर सकता है। बता दें कि कई न्यायिक संस्थाएं और सुप्रीम कोर्ट भी बार-बार कह चुका है कि ग्राहक रिफंड का दावा कर सकता है लेकिन अब तक यह स्पष्ट नहीं किया गया था कि आखिर कितनी देर होने पर रिफंड का दावा किया जाए। एक रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली के रहने वाले शलभ निगम ने इस मामले में याचिका दायर की थी। उन्होंने 2012 में अल्ट्रा लग्जरी हाउजिंग प्रॉजेक्ट ग्रीनपोलिस गुड़गांव में अपना घर बुक किया था। इसे ओरिस इन्फ्रास्ट्रक्चर कंपनी बना रही थी। उन्होंने 90 लाख के आसपास भुगतान कर दिया था और इसकी कुल कीमत एक करोड़ थी। एग्रीमेंट के मुताबिक 36 महीने यानी तीन साल में फ्लैट मिल जाना चाहिए था लेकिन बिल्डर फ्लैट का काम पुरा नहीं करा सका। इसके बाद निगम ने आयोग का रुख किया। हालांकि बिल्डर ने कहा कि बायर लगातार किस्त भर रहे हैं और रिफंड का आदेश दे दिया गया है तो खरीदार को बयाना के रूप में 10 प्रतिशत राशि छोड़नी होगी। आयोग ने इस बात को खारिज करते हुए कहा कि सातवें चरण तक किस्त दी गई है और इसके बाद निर्माण रुक गया इसलिए कोई राशि नहीं छोड़ी जाएगी।

आयोग ने कहा कि अगर खरीदार फ्लैट की पजेशन लेना चाहते हैं तो सितंबर 2019 तक इसे पूरा करके देना होगा।

रिजर्व बैंक का कैश लेस मिशन, अगले 3 साल के लिए तैयार की 12 लक्ष्यों की सूची

मुंबई (एजेंसी) ।

बैंकिंग रेग्युलेटर भारतीय रिजर्व बैंक ने अगले तीन साल के लिए 12 लक्ष्यों की सूची तैयार की है, जिसमें डिजिटल पेमेंट को चार गुना बढ़ाना, पेपर बेस्ड ट्रांजैक्शन में कमी लाना, पेमेंट प्राइसिंग को बेहतर बनाना, ग्राहकों की शिकायतों के निपटारे के लिए बेहतर व्यवस्था करना और नए पेमेंट सिस्टम ऑपरेटर्स की सर्विस शुरू कराना शामिल है। रिजर्व बैंक ने तय वक्त तक लक्ष्य हासिल करने के लिए बुधवार को जारी पेमेंट्स सिस्टम्स विजन 2022 डॉक्युमेंट में सभी स्टेकहोल्डर्स और गवर्निंग बॉडीज की तरफ से उठाए जानेवाले कदमों की व्यापक कार्ययोजना का जिक्र किया था। रिजर्व बैंक ने कहा है, सोसायटी को लेस-कैश बनाने की तरफ उठे कदम बढ़ाए जा रहे हैं। अब तक पेमेंट सिस्टम्स से कमोबेश दूर रहे तबकों को फायदा दिलाने के साथ ही बेहतर क्षमता वाली, सेफ, सिक्योर, एक्सेसिबल और अफोर्डेबल पेमेंट सिस्टम की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने की भी कोशिश हो रही है। आरबीआई ने मौजूदा पेमेंट सिस्टम में सुधार लाने के लिए प्रतिस्पर्धा, लागत, सहूलियत और विश्वास सहित ऐसे चार क्षेत्रों का चुनाव किया है जहां उसकी तरफ से नीतिगत दखल दिया जा सकता है। उसने यह भी तय किया है कि कार्ड के जरिए होने वाले ट्रांजैक्शंस में अगले तीन साल में छह गुना की बढ़ोतरी हो सकती है और इससे भारत कैश लाइट देशों की गिनती में शामिल हो जाएगा। बैंकिंग रेग्युलेटर का यह भी मानना है कि विजन पीरियड में कैश ऑन डिलीवरी मेथड से होने वाले पेमेंट में कमी आएगी, जो अभी कस्टमर्स के लिए पेमेंट का सबसे अहम तरीका बना हुआ है। रिजर्व बैंक ने और की ट्रांजैक्शन लिमिट और ड्यूरेशन विंडो बढ़ाने पर भी विचार किया है और आने वाले समय में यूजर्स को बिना इंटरनेट और स्मार्टफोन वाला यूनिवर्सल पेमेंट सॉल्यूशन मुहैया कराने पर भी विचार करेगा। रिजर्व बैंक ने कहा, मोबाइल इंटरनेट स्पीड में बढ़ोतरी हुई है, लेकिन बड़े एरिया में कनेक्टिविटी का इश्यू बना हुआ है। इसलिए विजन पीरियड के दौरान डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा देने के लिए मोबाइल डिवाइसेज के जरिए ऑफलाइन पेमेंट मुहैया कराने का विकल्प अपनाने पर खास ध्यान दिया जा सकता है। बैंकिंग रेग्युलेटर ने यह भी कहा है कि सिस्टम को लेकर होने वाले रेग्युलेटरी चेंज और कॉम्पिटिशन में बढ़ोतरी से पेमेंट सर्विसेज चैनल अगले तीन साल में सस्ता हो जाएगा। डॉक्युमेंट के मुताबिक, कस्टमर्स को दी जानेवाली ऐसी सर्विसेज की प्राइसिंग में विजन पीरियड के दौरान मौजूदा स्तर के मुकाबले कम से कम 100 बेसिस प्वाइंट्स की कमी आ सकती है। इसके लिए ऐड वेलोरम रेट्स के बजाय ट्रांजैक्शन के हिसाब से रेट तय करने का भी जिक्र है क्योंकि ट्रांजैक्शन वैल्यू से सिस्टम यूज का कोई लेना देना नहीं होता।

स्पेन्सर्स रिटेल 300 करोड़ रुपए में गोदरेज की सब्सिडियरी नेचर्स बास्केट को खरीदेगी

मुंबई । स्पेन्सर्स रिटेल ग्रॉसरी एंड फ्रेश फ्रूट स्टोर नेचर्स बास्केट को 300 करोड़ रुपए में खरीदेगी। कंपनी ने शुक्रवार को रेग्युलेटरी फाइलिंग में यह जानकारी दी। नेचर्स बास्केट गोदरेज इंडस्ट्रीज की सब्सिडियरी है। 2005 में इसकी शुरुआत हुई थी। बीते वित्त वर्ष (2018-19) में कंपनी का टर्नओवर 338.28 करोड़ रुपए रहा। स्पेन्सर्स नेचर बास्केट के पूरे 100त्न शेयर खरीदेगी। इसके लिए शेयरधारकों की मंजूरी जरूरी होगी। वोटिंग के लिए योग्य शेयरधारक तय करने के लिए 22 मई कट-ऑफ डेट रखी गई है। स्पेन्सर्स आर पी संजीव गोयनका के ग्रुप का हिस्सा है। देश के 35 शहरों में स्पेन्सर्स के रिटेल स्टोर हैं। कंपनी का मुख्यालय कोलकाता में है। यह फूड, पर्सनल केयर, फैशन और इलेक्ट्रिकल कैटेग्री के उत्पाद बेचती है। आर पी संजीव गोयनका ग्रुप के सेक्टर हेड (रिटेल एंड एफएमसीजी) साश्वत गोयनका का कहना है कि नेचर्स बास्केट के अधिग्रहण से देश के पश्चिमी हिस्सों में स्पेन्सर्स की पहुंच बढ़ेगी। मुंबई, पुणे और बेंगलुरु में नेचर्स बास्टेक के 36 स्टोर हैं। ये प्रमुख रेजिडेंशियल लोकेशंस पर हैं। स्पेन्सर्स और गोदरेज इंडस्ट्रीज शेयर बाजार में लिस्टेड कंपनियां हैं। शुक्रवार को स्पेन्सर्स का शेयर बीएसई पर 1.92 बढ़त के साथ 132.70 रुपए पर बंद हुआ। कंपनी का मार्केट कैप 1,055.42 करोड़ रुपए है। गोदरेज इंडस्ट्रीज का शेयर 2.34त्न तेजी के साथ 449.70 रुपए पर बंद हुआ। कंपनी का मार्केट कैप 15,127.20 करोड़ रुपए है।

एमएनपी पर जियो की अपील खारिज, टेलीकॉम कंपनियों को लगेगी 120 करोड़ की चपत

कोलकाता (एजेंसी) ।

दिल्ली हाई कोर्ट ने पोर्टिंग फीस में लगभग 80 फीसदी की कटौती के टेलीकॉम रेगुलेटर के फैसले को खारिज करने वाले अपने आदेश के खिलाफ रिलायंस जियो की अर्जी को रिजेक्ट कर दिया। इससे मोबाइल नंबर पोर्टेबिलिटी सर्विस प्रोवाइडर, सिनिवर्स टेक और एमएनपी इंटरकनेक्शन के लिए टेलीकॉम कंपनियों से 120 करोड़ रुपए के बकाए पर दावा करने का रास्ता खुल गया है। अप्रैल को मुकेश अंबानी की कंपनी जियो ने दिल्ली हाई कोर्ट की तरफ से 8 अप्रैल को जारी आदेश के खिलाफ अपील की थी। अदालत ने उस आदेश के जरिए पोर्ट ट्रांजैक्शन चार्ज 19 रुपए से घटाकर 4 रुपए करने वाले टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया (ञ्जक्रड्डढ्ढ) के 15 महीने पुराने रेगुलेशन को खारिज कर दिया था। दिल्ली हाई कोर्ट ने ट्राई के उस रेगुलेशन को अवैध करार दिया था। जियो ने अपनी अपील में कहा था कि मोबाइल नंबर पोर्टेबिलिटी सर्विस प्रोवाइडर्स ने पोर्टिंग फीस से जुड़ी सूचनाओं को दबाया गया है। अगर उसके दावों को स्वीकार नहीं किया जाता है तो उससे थर्ड पार्टी (टेलीकॉम कंपनी) के हितों को नुकसान हो सकता है। सिनिवर्स टेक और एमएनपी इंटरकनेक्शन ने अदालत में जियो की दलील को चुनौती दी थी। उनका कहना था कि वे इस बारे में जियो सहित सभी टेलीकॉम कंपनियों को इनवॉयस/संबंधित सूचनाओं के जरिए लगातार सूचित करती रही थीं कि ट्राई के रेगुलेशन के हिसाब से पोर्टिंग फीस घटाकर 4 रुपये किए जाने का मामला अदालत में विचाराधीन है। उसे चुनौती दी गई है और यह भविष्य में बढ़ सकती है। दिल्ली हाई कोर्ट ने 3 मई को आदेश जारी कर कहा था कि अदालती कार्यवाही से गलत तरीके से दूर रखे जाने की रिव्यू पिटीशनर (जियो) की शिकायत सही साबित नहीं हुई है। अदालत ने कहा कि इनवॉयस से साबित होता है कि एमएनपी सर्विस प्रोवाइडर्स ने टेलीकॉम कंपनियों को इस बारे में सूचित किया था कि 4 रुपए के पोर्ट ट्रांजैक्शन चार्ज को अदालत में चुनौती दी गई है। मुकदमे में आए आदेश का व्यापक प्रभाव होगा क्योंकि जियो की अपील खारिज होने से दोनों एमएनपी सर्विस प्रोवाइडर्स के लिए टेलीकॉम कंपनियों से फरवरी 2018 से पोर्टिंग फीस के तौर पर लगभग 120 करोड़ रुपए रिकवर करने का रास्ता खुल जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

चांदी की कीमत में भारी गिरावट, सोना हुआ 160 रुपए सस्ता

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर पीली धातु की चमक तेज होने के बावजूद वैवाहिक जेवराती मांग सुस्त पड़ने से शुक्रवार को दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना 160 रुपए सस्ता होकर 33,170 रुपए प्रति दस ग्राम पर आ गया। चांदी भी 625 रुपए की तेज गिरावट में 37,625 रुपए प्रति किलोग्राम बोली गई। लंदन एवं न्यूयॉर्क से मिली जानकारी के अनुसार, सोना हाजिर आज 0.85 डॉलर की तेजी में 1,286.85 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। जून का अमेरिकी सोना वायदा 1.00 डॉलर चमककर 1,287.00 डॉलर प्रति औंस बोला गया। बाजार विश्लेषकों ने बताया कि अमेरिका-चीन के संबंधों में उतार-चढाव का पीली धातु पर सीधा असर दिखाई दे रहा है। अंतररष्ट्रीय बाजारों में चांदी हाजिर 0.03 डॉलर की गिरावट के साथ 14.49 डॉलर प्रति औंस के भाव बिकी।

डीजल के दाम लगातार दूसरे दिन बढ़े, पेट्रोल में राहत

नई दिल्ली । डीजल के दाम में लगातार दूसरे दिन शुक्रवार को भी वृद्धि दर्ज की गई, लेकिन पेट्रोल के भाव में आठ से नौ पैसे प्रति लीटर की राहत मिली है।पेट्रोल के दाम दिल्ली, कोलकाता और मुंबई में आठ पैसे जबकि चेन्नई में नौ पैसे लीटर घट गए हैं। हालांकि डीजल लगातार दूसरे दिन महंगा हो गया। तेल विपणन कंपनियों ने दिल्ली और कोलकाता में डीजल के दाम में शुक्रवार को फिर पांच पैसे प्रति लीटर की वृद्धि की, जबकि मुंबई और चेन्नई में डीजल के दाम में छह पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के अनुसार, शुक्रवार को दिल्ली, कोलकता, मुंबई और चेन्नई में डीजल के दाम नई बढ़ोतरी के बाद अब 65.96 रुपये, 67.71 रुपये, 69.11 रुपये और 69.72 रुपये प्रति लीटर हो गए हैं।

दिल्ली के जैना ग्रुप ने सैंसुई और नाकामिची के साथ किया करार

नई दिल्ली । कार्बन मोबाइल का मालिकाना हक रखने वाली दिल्ली स्थित कम्पनी जैना ग्रुप ने जापानी की दिग्गज कंपनी सैंसुई और नाकामिची के साथ करार किया है। कम्पनी ने कहा है कि स्मार्ट एलईडी टीवी, होम ऑडियो सिस्टम, रेफ्रिजरेटर, वाशिंग मशीन, छोटे रसोई उपकरण और स्प्लिट एयर कंडीशनर सहित उत्पादों की एक श्रृंखला के वितरण के लिए यह करार किया गया है। ये उत्पाद ऑनलाइन मार्केटप्लेस पर भी उपलब्ध होंगे। एक डिस्ट्रीब्यूशन हाउस के रूप में शुरू हुई दिल्ली की कंपनी (जैना ग्रुप) देश में कई वैश्विक ब्रांडों जैसे एचटीसी, मोटोरोला, सैमसंग, सीमंस, पैनासोनिक और फिलिप्स (एलसीडी डिवाइस) का प्रतिनिधित्व करती है। जैना ग्रुप के प्रबंध निदेशक प्रदीप जैन ने कहा, डिजिटल क्रांति में 23 साल की उत्कृष्टता के साथ जैन ग्रुप देश में इन ब्रांडों के लिए एक मजबूत बिंदु होगा। इन अधिग्रहणों के साथ हम भारतीय बाजार में आला ब्रांडों के आत्मीयता के पुनर्निर्माण और प्रवर्धन के बारे में आशावादी हैं।

स्विट्जरलैंड से कालेधन पर प्राप्त जानकारी साझा करने से सरकार का इनकार

नई दिल्ली। सरकार ने स्विट्जरलैंड से कालेधन को लेकर प्राप्त सूचनाओं को साझा करने से इनकार कर दिया है। सूचना का अधिकार कानून के तहत पूछे गए सवालों के जवाब में वित्त मंत्रालय ने गोपनीयता की दलील देते हुए कहा कि भारत और स्विट्जरलैंड कालेधन पर केस टु केस बेसिस पर सूचनाओं का आदान-प्रदान करते हैं और इसके मुताबिक जांच की जा रही है। यह प्रक्रिया अभी चल रही है। पीटीआई जर्नलिस्ट की ओर दायर आरटीआई के जवाब में मंत्रालय ने कहा, स्विट्जरलैंड से कालेधन पर प्राप्त सूचनाएं गोपनीय प्रावधानों के दायरे में हैं। मंत्रालय से स्विट्जरलैंड से प्राप्त कालेधन से जुड़े मामलों की जानकारियां मांगी गई थी। इसमें कंपनियों और व्यक्तियों के नाम और उन पर हुई कार्रवाई के बारे में भी पूछा गया था। इसमें कहा गया कि दोनों देशों के बीच वित्तीय खातों से जुड़ी जानकारियां ऑटोमैटिक साझा करने की सहमति है। इस अग्रीमेंट पर 22 नवंबर 2016 को हस्ताक्षर हुए थे। मंत्रालय ने कहा कि आवश्यक कानूनी प्रावधान किए जा चुके हैं और वहां मौजूद भारतीयों के खातों की जानकारियां 2019 से मिलने लगेंगी। मंत्रालय ने कहा कि इससे स्विट्जरलैंड में भारतीयों की बेनामी संपत्ति और कालेधन का पता लगाना आसान हो जाएगा। मंत्रालय ने यह भी कहा कि देश के भीतर और बाहर कितना कालाधन है, इसको लेकर कोई अनुमान मौजूद नहीं है।

तीन दिन बाद जगी माँ की ममता, बेटी को लेने पहुँची अस्पताल

(जी.एन.एस) ता.17

सूरत। इस दुनिया मे अगर कोई जीवन को पार लगता है तो वो है माता पिता। जीवन की पहली सीढ़ी किस तरह चढ़ते है ओर वर्तमान परिस्थितियों में कैसे जीवन व्यतीत करना है उसकी परिभाषा माता-पिता देते है। लेकिन कई बार यही माता पिता अपने जिगर के टुकड़े को अपने से दूर करने का निर्णय कर लेते है। आज देश मे वैसे भी बेटी पढ़ाओ ओर बेटी बचाओ के नारे लेकर समाजिक, राजनीतिक संगठन अभियान चला रहे है। एक बच्ची के माता पिता उसको एन आई सीयू में छोड़कर चले गये ओर तीन बाद उसको वापस लेने लोटे।

हम बात कर रहे सूरत के न्यू सिविल अस्पताल की जहाँ माता पिता अपनी बच्ची को ट्रीटमेंट के लिए दाखिल करवाकर अस्पताल में ही छोड़ जाते है। लेकिन तीन दिन बाद उनकी ममता जग उठती है और अपनी बच्ची को लेने वापस लौट आते है। दरसल यह मामला बेटे की उम्मीद कर रहे उन माता पिता का है। यह मामला सूरत के पांडेसरा महादेवनगर में रहने वाले नैनाबेन ओर जिग्नेश पटेल का है जिनकी बच्ची 8 मई के दिन एक निजी अस्पताल में जन्मी। बच्ची को जॉइनडिस की बीमारी होने से उसे सरकारी अस्पताल न्यू सिविल में एडमिट किया था। जहाँ पर माता पिता को बेटे की आस।थी जिसको लेकर माता पिता ने अस्पताल के खिलाफ बच्चा बदलने का आरोप लगाया था।

जिसके चलते अस्पताल ने दावा किया है कि माता पिता बच्ची को लेकर ही आये थे। लेकिन बच्चे बलने का आरोप झूठ है। हालांकि इस पूरी प्रक्रिया में तीन महीने का वक्त लग सकता है। अस्पताल ने ये भी कहा कि स्थानीय निजी अस्पताल में रिपोर्ट बनाने में गलती की वजह से माता पिता को गलतफहमी हो गई, क्योकि अस्पताल की फाइल के अंदर बेटी लिखा गया था जबकि फाइल के ऊपर बेटा लिखा था।

इस पूरी प्रक्रिया को देखते केस पुलिस के पास पहुँचने वाला था और डीएनए रिपोर्ट आने से पहले ही माता की ममता जग उठी और वो बच्ची को लेने अस्पताल जा पहुँची। ओर बच्ची को अपनी बाहों में भर उसे घर लेके आ गई। बेटियों के लिए अभी भी सख्त कानून बनाने की जरूरत है कारण की बेटियो के लिए आये दिन ऐसी घटनाएं जन्म लेती रहती है और बेटियां उनकी क्रूरता का शिकार बन जाती है ऐसी ही एक घटना सूरत से आया जिसमे 3 दिन बाद माता की ममता जगी ओर बच्ची को वापस लाई।

सूरत जिले में अभी तक 10,735 किसानों ने भाई खेडुत पोर्टल पर आनलाइन अरजी की

सूरत। शुक्रवार को समग्र राज्य के खातेदार किसानों को खेती वाड़ी खाता की विभिन्न सहाया य ोजनाओं में अलग-अलग घटकों के तहत सहायता लेने हेतु आनलाइन अरजी कर सके इस लिए राज्य सरकार द्वारा 31/5/2019 तक आई खेडूत पोर्टल खुल्ल रखा गया है।

जिसके हिस्से के रुपमें अभीतक सूरत जिला के 10,735 खेडूतों ने खेतीवाड़ी खाता की योजाओं में सहायता लेने हेतु आनलाइन अरजी करी ह। जिसमें ट्रेक्टर पावर टीलर ट्रेक्टर संचालित साधन पांप सेट ताड़पत्री जैसे साधनों की खरीदी में सहायता की जाती है। ग्राम पंचायत में तथा इन्टरनेट सुविधा र खती अन्य जगहों से भी अरजी की जा सकती है। खेडुतों मित्रों को अरजी करे समय 7/12 एवं 8अ आधार कार्ड मोबाइल नम्बर तथा बैक पासुक की विग इत्यादि साथ रखना जरुरी है।

रात में लूट के अपराध करने वाले व्यक्ति को डी.सी.बी पुलिस ने धर दबोचा

सूरत। शुक्रवार को सूरत शहर के सरथाणा पुलिस स्टेशन में पिछली तारीख 29/4/2019 फरियादी तुषार मुकेश भाई गलचर निवासी ओम टाउनशिप पासोदरा गाम सूरत जो सरथाणा सिमाडानाके गैरेज चलाता है। वह अपनी मोटर सायकल पर घर जा रहा था तभी रात के 9 बजे के आस पास तीन अज्ञात व्यक्तियों ने उसे रोक मोटर साइकल की चाभी निकाल चाकू दिखाकर उसके पास से वीवों कम्पनी का मोबाइल मूल्य लगभग 8500 तथा पर्स में रखे गैरेज का वकरा 19,000 तथा पान कार्ड, आधार कार्ड, आदि लूट कर`क मोटर साइकल पर भाग गए थे जिस के लिए सरथाणा पु.स्टे. गु.र. नं. 225/2019 इ.पी. कोड़ कलम 392,323,504,114 तथा जी.पी एक्ट 135 के तहत अपराध दर्ज थी।

नायब पुलिस कमिश्नर क्राइम तथा पुलिस के अन्य उच्चाधिकारियों ने उपरोक्त गंभीर अनसुलझे अपराध को भेद खोलने की सूचना मिलने पर पुलिस इंस्पेक्टर क्राइम के मार्गदर्शन में पी.एस.आई. सी.एच. पनारा अपनी टीम के लोगों के साथ उपरोक्त अन डीटेक्ट लूट की घटना के संदर्भ में सूचना प्राप्त कर डिटेक्ट करने हेतु वर्कआउट में थे तभी अ.पु.का. योगेन्द्र सिंह दिलुभा अ.पु.का. महावीर सिंह रणजीत सिंह आदि ने मिली सूचना के आधार पर सूरत कामरेज रोड़ वालक पाटिया गोपनाथ होटल के पास से उपरोक्त अपराध में शामिल आरोपी 1. अकील उस्मान जेठवा 24 वर्ष हाल निवासी खोलवाड़ गाम, अरुन भाई तेली रुम में ता. कामरेज जिला सूरत मूल निवासी वंथलीगाम ता. बंथली जिला जूनागढ़। 2. राजू लाल जी मेवाड़ा 23, निवासी लसकाणा गाम महिडानगर अनवर भाई के मकान में बापा सीताराम होल के पास सूरत मूल निवासी उनागाम ता. उनागाम जिला गिर सोमनाथ। 3. इनापत उर्फ इनों इल्यास भाई कुरेशी 21 हाल निवासी खोलवाड़ गाम अरुन भाई तेली का रुम ता. कामरेज जिला सूरत मूल निवासी बोटाद भावनगर सर्कल के पास नागर पोर का दरवाजा ता. जिला बोटा को धर दबोचा तथा उनके पास से अपराध में उपयोग की गई मोटरसाईकल तथा लूट में प्राप्त नकद रकम से 2200 रु. तथा मोबाइल फोन मूल्य 8500 का मिलाकर कुल कीमत 50,700 का मुद्दा माल कब्जे कर कायदेसर कार्यवाही की गई है। इस कार्यवाही में पी.एस.आई सी.एच. पनारा अ.हे.का. सतपाल सिंह मुहब्बत सिंह अ.हे.का. जिग्नेश बाबूभाई, अ.हे.का. चिराग भाई दामजी भाई, अ.पु.का योगेन्द्र सिंह दिलुमकर अ.पु.का. महावीर सिंह रणजीत सिंह तथा अ.पु.का. महेंद्र सिंह जीतू भाई ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

करोड़ों रुपये खर्च करने वाली शिक्षण समिति के कक्षा 2 के विद्यार्थियों को बांचन एवं लेखन निर्बल

कक्षा 2 के निर्बल विद्यार्थियों को फिर पढाने हेतु सरकार ने 25 दिवसीय विस्तृत कार्यक्रम कार्यान्वित किया

सूरत। शुक्रवार को सूरत शिक्षण विभाग के परिपत्रानुसार नगर प्राथमिक शिक्षण समिति ने शिक्षकों की समयदान के साथ कक्षा 2 में से कक्षा 3 में प्रवेश करने वाले बाचन एवं लेखन में कमजोर (निबेल) विद्यार्थियों हेतु शैक्षणिक कार्यक्रम शुरु किया है। जिसमें भारी संख्या में वाचन लेखन में कमजोर विद्यार्थी होना वर्कआउट किया गया संज्ञान में आया है।

सूरत महानगर पालिका संचालित नगर प्राथमिक शिक्षण समिति में अभ्यास करने वाले विद्यार्थियों को मुल्यांकन कसौटी के परिणाम जाहेर नहीं किया गया। लेकिन सरकार में प्रस्तुत हुए इस मूल्यांकन कसौटी के परिणाम के आधार पर सरकार ने ताजेतर में नये परिपत्र जाहेर किया है। इस परिपत्र के आधार पर कक्षा 2 के विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि हेतु शिक्षकों को स्वैच्छिक समयदान कर बाचन लेखन में कक्षा 2 के कमजोर विद्यार्थियों को 25 दिन तक दो घंटे शैक्षणिक कार्य करवाना होगा।

प्राथमिक शिक्षण नियामक के परिपत्र अनुसार कक्षा 2 के विद्यार्थियों को बाचन लेखन गणन के मूल भूत कौशल्य सिखाने हेतु निदान एवं उप चारात्मक शिक्षण कार्यक्रम का अमल किया गया है।

ऐसा होने के बाद अभी भी कितने विद्यार्थी बाचन लेखन एवं गणन में अपेक्षित सिद्धि प्राप्त नहीं कर सके। कक्षा 2 का उपचारात्मक शिक्षण का मुख्य हेतु ये सुनिश्चित करना है कि अगले वर्ष कक्षा 3 में दाखिल होने वाला एक भी विद्यार्थी ऐसा नहीं कि जो बाचन, लेखन एवं गणन में अपेक्षित सिद्धि स्तर तक न पुहंचा हो। इस तरह अभी भी कुछ विद्यार्थियों के लिए अपना हेतु पूर्ण रुप से सिद्ध हुआ नहीं।

आगामी ता. 6मई से 10 जून तक गर्मी का वेकेशन हे जिससे जिन विद्यार्थियों को अभी भी अपेक्षित सिद्धि प्राप्त नहीं हुई है उन विद्यार्थियो को अगले वर्ष कक्षा 3 में परेशानी न महसूस करे इस हेतु वेकेशन दरम्यान उनकों 25 दिन तक रोज के दो घंटे का शैक्षणिक कार्य करा शके। मात्र दूसरी कक्षा के विद्यार्थियों हेतु स्वैच्छिक रुप से विद्यालय चालू रहे ऐसा किया जा सके। इस उत्तम शैक्षणिक हेतु के लिए शिक्षको निवृत शिक्षकों, सी.आर.सी. बी.आर.सी. को ब्लोक रिसोर्स पर्सन वगैरह स्वैच्छिक रुप से समयदान करे ऐसी अपील है। इस परिपत्र के आधार पर नगर प्राथमिक शिक्षण समिति ने 25 दिन का शैक्षिणिक कार्यक्रम वना दिया है। जिसमें 13 जितने शिक्षकों समयदान के लिए तायार है। मिली सूचनानुसार एक विद्यार्थी के पीछे 24,000 रुपये खर्च करती शिक्षण समिति के विद्यालय में कक्षा 2 के विद्यार्थियों को वाचन लेखन में कमजोर होने वालों की संख्या बहुंत बड़ी है।

विवरण के अनुसार लिम्बायत की विद्यालय संख्या 135 कक्षा 2 के 72 विद्यार्थियों में से 33 विद्यर्थी वाचन लेखन में कमजोर है ऐसा मालूम हुआ है। शाला समिति ने 8 विद्यालयों में 13 शिक्षकों का समयदान के साथ 25 दिन का शैक्षणिक कार्यक्रम चालू कर लिया है। महत्वपूर्ण बात ये है कि करोड़ों रुपये के खर्च एवं हर तरही की सुविधा होने के बाद भी शाला समिति में अभ्यास कनरे वाले विद्यार्थी वाचन लेखन में कमजोर हो ये बात बहुंत ही शर्मनाक है।

पत्नी से अवैध सम्बन्ध की शंका में घर से निकाले भतीजे का चाचा पर चाकू से हमला

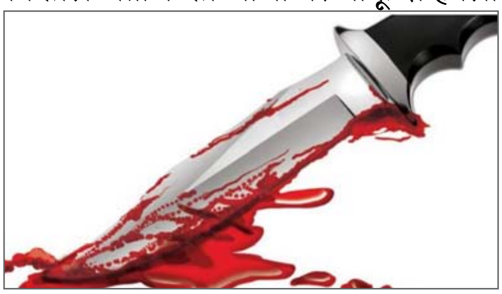

सूरत। शुक्रवार को सूरत सचिन जी.आई.डी.सी स्टेशन रोड़ में स्थित राज होटेल के मालिक को चाकू मारकर हत्या करने के प्रयास करने की घटना बनी है। गतदिवस रात्रि लगभग 2 बजे घायल अपनी होटल में सो रहा ता तभी अज्ञात व्यक्ति चाकू से हमला करके भाग गया।

सचिन जी.आई.डी.सी पुलिस सूत्रों के अनुसार सचिन सूड़ा सेक्टर तीन में रहने वाला गोपाल मदन भाई राठोड़ अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध पुलिस शिकायत दर्ज कराई है। फरियाद के अनुसार फरियादी का सेठ राम इकबाल नगीना गुप्ता की राज होटेल सचिन स्टेशन रोड़ पर स्थित है। गत 16-5-2019 के दिन सेठ राम इकबाल गुप्ता अपनी होटल में सो रहा था तभी रात 2 बजे के आस पास अज्ञात व्यक्ति ने होटल में घुसकर राम इकबाल के उपर चाकू से घाव कर हत्या की कोशिस कर भाग गया।

पुलिस की जांच में चाकू से हमला करने वाला युवक होटल के मालिक रामइकबाल का अपना भतीजा ही था और काका की पत्नी के साथ भतीजे का अवैध सम्बन्ध होने की शंका में होटल मालिक रामइकबाल ने भतीजे को नौकरी से निकाल दिया था। भतीजे ने खूनी हमला किया था पुलिस की प्राथमिक जांच में यह तथ्य प्रकाश में आया है। शुक्रवार को सूरत सचिन जी.आई.डी.सी स्टेशन रोड़ में स्थित राज होटेल के मालिक को चाकू मारकर हत्या करने के प्रयास करने की घटना बनी है। गतदिवस रात्रि लगभग 2 बजे घायल अपनी होटल में सो रहा ता तभी अज्ञात व्यक्ति चाकू से हमला करके भाग गया।

गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का बयान

दीदीगीरी कर रहीं हैं ममता, खो बैठी हैं मानसिक संतुलन

पश्चिम बंगाल की जनता ममता और उनकी पार्टी अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस को उपयुक्त जवाब देगी : रूपाणी

अहमदाबाद । पश्चिम बंगाल में चल रहे राजनीतिक खींचतान के बीच गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी भी उतर आए हैं। बीजेपी अध्यक्ष अमित शाह के कोलकाता रोडशो के दौरान हुई हिंसा को लेकर उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को आड़े हाथ लिया है । उन्होंने कहा कि ममता अपना मानसिक संतुलन खो बैठी हैं। इतनी ही नहीं उन्होंने ममता पर दीदीगिरी करने का भी आरोप लगाया । वडोदरा में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता ममता और उनकी पार्टी अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस को उपयुक्त जवाब देगी। उन्होंने ममता पर तंज सकते हुए कहा, ऐसा लगता है कि दीदी (ममता) अपना मानसिक संतुलन पूरी तरह से खो चुकी हैं। उन्होंने लोकतंत्र को कलंकित किया और दीदीगीरी (शब्द दादागीरी के समान) में लिप्त हुईं । गुजरात के सीएम ने कहा भारत और पश्चिम बंगाल के लोग ऐसा व्यवहार बर्दाश्त नहीं करेंगे । पश्चिम बंगाल के लोग इस लोकसभा चुनाव में उन्हें (ममता) को उपयुक्तजवाब देंगे। आपको बता दें लोकसभा चुनाव के आखिरी चरण के लिए प्रचार के दौरान पश्चिम बंगाल में बीज ेपी और तृणमूल कांग्रेस के बीच आरोप प्रत्यारोप का दौर चला।

गुजरात के राजकोट में पीक थूका तो जुर्माना, होगी कार जब्त

अहमदाबाद। अहमदाबाद के बाद अब राजकोट में भी खुले में पीक थूकना भारी पड़ सकता है। पान, गुटखा खाकर सड़क पर पीक थूकने वालों पर सीसीटीवी से नजर रखी जाएगी और 250 रुपये का ई मेमो घर भेजा जाएगा। राजकोट मनपा आयुक्त बंछानिधी पानी ने एक परिपत्र जारी कर सड़क पर पान व गुटखा खाकर थूकने वालों को चेताया है। ऐसा करते पकड़े जाने पर 250 रुपये का जुर्माना लगेगा। यातायात पुलिस सड़कों के मुख्य चौराहों पर लगे सीसीटीवी कैमरों से नजर रखेगी। गाड़ी या बाइक पर बैठकर सड़क पर पीक थूकने वालों को पकड़ा जाएगा। पहली बार पकड़े जाने पर 250, दूसरी बार 500, तीसरी बार 750 रुपये और चौथी बार सड़क पर पीक थूकते पकड़े जाने पर मनपा अधिकारी ई मेमो लेकर खुद घर आएंगे और कार या दुपहिया वाहन भी जब्त कर लेंगे।

गुजरात में जलसंकट, ११० डैम पूरी तरह सूख गए

गुजरात के कच्छ व सौराष्ट्र से पशुपालकों का पलायन

अहमदाबाद । गुजरात में भीषण जलसंकट को देखते हुए अब राज्य सरकार उद्योगों को उपयोग के लिए ७५ फीसद तक रिसायकल वाटर उपलब्ध कराएगी । उधर, महानगर पालिका को दिए जाने वाले पानी के दाम में भी प्रति हजार २९ पैसा बढ़ा दिया है। राज्यों के नर्मदा बांध सहित प्रमुख बांधों में पानी का स्त्रोत नीचे चला गया है। करीब ११० बांध ऐसे हैं, जिनमें पानी की एक बूंद भी नहीं बची है। सौराष्ट्र, कच्छ व उत्तर गुजरात में सिंचाई व पेयजल का गंभीर संकट बना हुआ है । कच्छ से कई पशुपालक परिवार अपना घर छोड़कर अहमदाबाद, सूरत व राजकोट जैसे शहरों के आसपास पड़ाव डाल रहे हैं । राज्य सरकार ने जनवरी में ही ३०० करोड़ का जल संरक्षण व जलस्रोतों के पुनरुद्धार का कार्यक्रम चलाया है, लेकिन लोकसभा चुनाव आ जाने से अभियान जोर नहीं पकड़ पाया । पिछले वर्ष भी सरकार ने जनभागीदारी से ऐसा अभियान चलाकर राज्या के जलसंग्रह में हजारों लाख घन फुट की बढ़ोतरी की थी, लेकिन सरकार व प्रशासन के अकुशल जलप्रबंधन के चलते अप्रैल से ही राज्यभर में लोगों को जलसंकट का सामना करना पड़ गया । मुख्यपमंत्री विजय रूपाणी ने जिला कलेक्टरों के साथ बैठक कर जलसंकट से निपटने के निर्देश दिए। दूरदराज इलाकों में जहां पाइप लाइन से पानी नहीं पहुंचाया जा सकता, वहां टैंकर से पानी भेजने की बात कही गई है । उपमुख्यमंत्री नितिन पटेल का कहना है कि राज्य में जुलाई तक पानी की ज रूरत को पूरा किया जा सकता है। राज्यों के बांधों में पानी है। उधर, सरकार ने उद्योगों को दिए जाने वाले पानी में कटौती करते हुए उन्हें व्यवसायिक उपयोग के लिए ७५ फीसद रिसायकल पानी काम में लेने को कहा है । सरकार इन्हें अब पहले की तरह नर्मदा का शुद्ध पानी उपलब्ध नहीं कराएगी। सरकार ने अहमदाबाद महानगर पालिका को दिए जाने वाले पानी के दाम प्रति हजार लीटर २९ पैसा बढ़ा दिए हैं । पिछले वर्ष सरकार मनपा को दो रुपये ८५ पैसे प्रति हजार लीटर के भाव से पानी उपलब्ध कराती, जिसके बदले अब तीन रुपये १४ पैसे वसूल करेगी । वर्ष २००९-१० में मनपा को एक रुपये ३३ पैसे प्रति हजार लीटर के भाव से पानी उपलब्ध कराया जाता था । सरकार नर्मदा मुख्य नहर, कोतरपुर वाटर प्लांट, जासपुर वाटर प्लांट से मनपा को पानी उपलब्ध कराती है । राजस्व विभाग के मुताबिक, राज्य के ११० डैम पूरी तरह सूख गए हैं, जिनमें एक बूंद पानी भी नहीं बचा है । इसके अलावा २०३ बांध ऐसे हैं, जिनमें बीस फीसद पानी भरा है । सरदार सरोवर नर्मदा बांध में भी ५१ फीसद पानी है, लेकिन एक निश्चित लेवल से नीचे के पानी का उपयोग करने के लिए सरकार को नर्मदा कंट्रोल अथॉरिटी से मंजूरी लेनी पड़ती है। चारा व पानी की समस्या के चलते कच्छ भुज के बन्नी इलाके के एक दर्जन से अधिक गांव लूणानाना, बुरकुल, हाजीपीर, सरोडानाना, सरोडा मोटा, भीटारा,उधमा आदि गांवों के करीब १५० महिला, पुरुष व बच्चों ने पशुओं के साथ अहमदाबाद साणंद के इयावागांव में शरण ली है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)**